DR Krishnadeo kumar bharti
Assistant professor (G.T)
Dept of Political science
C.M.j College Donwarihat
Khutauna, Madhubani
Email---Kdkbharti08@gmail.com
B.A.Part---3- Date--23-05-2020
Mo.No--9234999361

वैश्वीकरण की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषताओं तथा विश्व राजनीति पर इसके प्रभावों की विवेचना करें।*(Discuss the concept of Globalization with special mention about its features and effects on World Politics)*

भूमण्डलीकरण(वैश्वीकरण)एकरूपता की वह प्रक्रिया है जिसमें सम्पूर्ण विश्व सिमट कर एक हो जाता है।एक देश की सीमा से बाहर अन्य देशों में वस्तुओं एवं सेवाओं का लेन देन करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय निगमों अथवा बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ एक भूमण्डलीकरण गाँव के रूप में मानने की अवधारणा ही वैश्वीकरण अथवा भूमण्डलीकरण है।
डॉ.विमल जालान के अनुसार-"भूमण्डलीकरण शब्द का प्रयोग कई तरह से हुआ है।एक अर्थ तो शाब्दिक है अब राष्ट्रों के बीच भौगोलिक दूरी बेमानी हो चुकी है।दुनिया काफी छोटी हो चुकी है और कोई भी देश अपना नुकसान करके ही शेष विश्व से खुद को अलग थलग रख सकता है। भूमण्डलीकरण का दूसरा अर्थ ठीक उल्टा निकला जा रहा है।इसके अनुसार यह देश हितों की जगह दूसरे देशों और बहुराष्ट्रीय निगमों के हितों को ऊपर रखने वाले नीतिगत वदलाव का नाम है।"
संक्षेप में भूमण्डलीकरण राष्ट्रों की राजनीतिक सीमाओं के आर पार आर्थिक लेन देन की प्रक्रियाओं और उनके प्रबंधन का प्रवाह है।विश्व अर्थव्यवस्था में आया खुलापन, आपसी जुडाव और परस्पर निर्भरता के फैलाव को भूमण्डलीकरण कहा जाता है।

वैश्वीकरण की विशेषताएँ

1.यातायात और संचार साधनों में हुए क्रांतिकारी विकास के चलते भौगोलिक दूरियाँ सिमट गई है।अब न केवल व्यपार, तकनीकी एवं सेवा क्षेत्र, बल्कि लोगों का भी सीमा पार आवागमन सस्ता एवं सुगम हो गया है।कम्प्यूटर और इण्टरनेट भी तेजी से दुनिया को जोड़ रहा है।

2.इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की दूर दराज पहुँचाने एक गलोबल संस्कृति की स्थापना कर दी है।जीन्स टीशर्ट फास्ट फूड पाँप संगीत हालीवुड फिल्में एवं सैटेलाइट टेलीविजन की संस्कृति आज के हर नवयुवक की संस्कृति है।
3.श्रम बाजार विश्व व्यापी हो गया है।वर्ष 1965 में लगभग7करोड़50लाख लोग एक देश में दूसरे देश में रोजगार की दृष्टि से प्रवाहित हुए थे।

भूमण्डलीकरण की उपरोक्त विशेषताएँ से ऐसा लगता है कि एक नये प्रकार की अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था की स्थापना की तरफ हम प्रवृत्त हो।
विश्व राजनीतिक पर इसके प्रभाव या भूमण्डलीकरण और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध ----
1.संयुक्त राष्ट्र संघ और उससे सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय और व्यापारिक संस्थाओं की भूमिका और महत्व में बृद्धि हुई है।
2.विश्व व्यापार संगठन ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की स्थापना हुई जो विश्व व्यापार के क्षेत्र में पुलिसमैन भी भूमिका का निर्वाह करने लगा है।
3.भूमण्डलीकरण के राष्ट्रीय निगमों को खुली छूट मिल गई है और बहुराष्ट्रीय निगम निर्धन राष्ट्रों पर घनी राष्ट्रों के नव उपनिवेश नियंत्रण के वाहक है।
4.अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और अन्तर्राष्ट्रीय पूंजी निवेश के लिए देश के दरवाजे खोलने का मतलब गरीब देशों और अमीर देशों को बकरी और बाघ की तरह एक ही धाट में पानी पीने की व्यवस्था करना है।
5. अर्थव्यवस्था का तो भूमण्डलीकरण हो गया है किन्तु हमारी राजनीतिक व्यवस्था अभी भी राज्यों की सम्प्रभुता पर आधारित है।

आगे, धन्यवाद।

2020-05-23
From vivo Note

Scanned with CamScanner